ST. LAWRENCE HIGH SCHOOL
A JESUIT CHRISTIAN MINORITY INSTITUTION
CLASS: 8

पाठ्य सामग्री

SUBJECT :Hindi DATE: 05. 05 .2020

पाठ नाम - स्वामी विवेकानंद

जीवनी का सारांश

स्वामी विवेकानंद का जीवन हर किसी के जीवन में नई ऊर्जा भरता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। स्वामी विवेकानंद प्रतिभाशील महापुरुष थे जिन्हें वेदों का पूर्ण ज्ञान था। विवेकानंद जी दूरदर्शी सोच के व्यक्ति थे जिन्होनें न सिर्फ भारत के विकास के लिए काम किया बल्कि लोगों को जीवन जीने की कला भी सिखाई।

पूरा नाम	नरेंद्रनाथ विश्वनाथ दत्त
जन्म	12 जनवरी 1863
जन्मस्थान	कलकत्ता (पं. बंगाल)
पिता	विश्वनाथ दत्त
माता	भुवनेश्वरी देवी
घरेलू नाम	नरेन्द्र
गुरु का नाम	रामकृष्ण परमहंस
संस्थापक	रामकृष्ण मठ, रामकृष्ण मिशन
मृत्यु तिथि	4 जुलाई, 1902

स्वामी विवेकानंद के बचपन की एक घटना है। तब उन्हें सभी नरेंद्र पुकारते थे। बचपन से ही उनमें असाधारण प्रतिभा थी। वे अपने सभी मित्रों को कहानी सुना रहे थे,तभी कक्षा में शिक्षक आ गए और वे पढ़ाने लगे | फिर उन्होंने देखा कि कुछ विद्यार्थीउनकी बात नहीं सुन रहे तोउन्होंनेउन सभी को खड़ा कर एक-एक से पढाए गये विषय के बारे में पूछा लेकिन नरेन्द्र को छोड़कर किसी ने भी सही उत्तर नहीं दिया | तब स्वयं शिक्षक भी उनकी इस प्रतिभा को देख अवाक रह गए | वही नरेंद्रआज स्वामी विवेकानंदजी के नाम से जाना जाता है | विवेकानंद जी ने रामकृष्ण को अपना गुरु बनाकर आध्यात्मिक ज्ञान की और पूरे विश्व में उस ज्ञान का प्रचार-प्रसार किया | उन्होंने लोगों के आग्रह पर अमेरिका में आयोजित विश्वधर्म सम्मलेन में हिस्सा लिया | स्वामी जी ने अपने भाषण की शुरुवात अमेरिका के बहनों और भाईओं से की | जब विवेकानंद जी ने अपने अध्यात्म और ज्ञान से भरा भाषण की शुरुआत की तब सभागार तालियों से गड़गड़ाहट से गूंज उठा। उन्होनें इस दौरान भारत की एक नई छवि बनाई | इसके साथ ही वे लोकप्रिय होते चले गए।धर्म संसद खत्म होने के बाद स्वामी विवेकानंद अमेरिका में वेदांत की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करते रहे। विवेकानंद जी के अमेरिका यात्रा के बाद उन्होनें दुनिया में भारत के प्रति सोच में बड़ा बदलाव किया था। लगातार यात्राकरने के कारण उनका सेहत धीरे-धीरे खराब होने लगा था | इनकी मृत्यु 4 जुलाई 1902 को हुआ | स्वामी विवेकानंद ने अपने भाषणों द्वारा पूरे विश्व भर में भारत तथा हिंदु धर्म का नाम रोशन किया। वह एक ऐसे व्यक्ति थे, जिनके जीवन से हम सदैव कुछ ना कुछ सीख ही सकते हैं। यहीं कारण है कि आज भी युवाओं में इतने लोकप्रिय बने हुए हैं।

<u>लघु उतरीय प्रश्न F.M - 2x5=10</u>

1.विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन कहाँ हुआ था ? वे अमेरिका कब पहुँचे ?

उ. विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन अमेरिका में हुआ था | वे अमेरिका 30जुलाई को पहुँचे |

2. विश्व धर्म सम्मलेन कब शुरू हुआ ? विवेकानंद जी ने भाषण की शुरुवात कैसे की ?

उ. विश्व धर्म सम्मलेन 11 सितम्बर को शुरू हुआ | विवेकानंद जी ने भाषण की शुरुवात अमेरिका के बहनों और भाइयों से की |

3.विवेकानंद जी ने वेदांत का प्रचार कहाँ किया ? किस कारण अनेक लोग उनके शिष्य बन गए?

उ. विवेकानंद जी ने वेदांत का प्रचार अमेरिका के अनेक नगरों में किया | विवेकानंद जी के प्रति श्रदधा और भक्ति के कारण अनेक लोग उनके शिष्य बन गए |

4.स्वामी जी का जन्म कब और कहाँ हुआ था ?

उ. स्वामी जी का जन्म 12 जनवरी 1863 को कोलकाता में हुआ था |

5. नरेंद्र को किसका शौक था ? नरेंद्र किस नाम से प्रसिद्ध हुए ?

नरेंद्र को कहानी कहने का शौक था | नरेंद्र स्वामी विवेकानंद नाम से प्रसिद्ध हुए |

<u>शब्दार्थ:</u>

प्रतिभा- बुद्धि

आकर्षण- खिंचाव

विश्व- दुनिया

क्षमता- शक्ति

नगर-शहर

श्रोता- सुननेवाला

सम्मलेन- जमघट

आगमन- उपस्थिति

स्वास्थ्य- नीरोगता

NAME- PRITI TIWARI